नियत कार्य

मार्गदर्शन में प्रमाणपत्र (सी.आई.जी.)
(जनवरी–2021 एवं जुलाई–2021)

शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

नियतकार्य
मार्गदर्शन में प्रमाणपत्र (सी.आई.जी.)
(जनवरी–2021 एवं जुलाई–2021)

एन.ई.एस.–101: प्रारंभिक विद्यालयी बच्चे को समझना

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों में गामक विकास और कौशल विकास में सम्बन्ध की परिचर्चा कीजिए।

2. बच्चों के विकास में सामाजिक–सांस्कृतिक पर्यावरण के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

3. विद्यालयों में विभिन्न मार्गदर्शन सेवाओं का वर्णन कीजिए।

एन.ई.एस.–102 : वृद्धि और विकास को समझना

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. प्रतिभाशालिता (गिफ्टेडनेस) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। वे कौन सी विभिन्न समस्यायें हैं जिनका अनुभव प्रतिभाशाली बच्चे करते हैं? प्रतिभाशालिता के उन्नयन में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका की परिचर्चा कीजिए।

2. सम्यक समेकित व्यक्तित्व की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए। बच्चे के समेकित व्यक्तित्व की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए। बच्चे के समेकित व्यक्तित्व के विकास के लिए शिक्षक को कौन सी युक्तियाँ अपनानी चाहिए?

3. बच्चों से निपटने के लिए अभिभावक कौन सी विभिन्न सम्प्रेषण शैलियों को अपनाते हैं? और अधिक प्रभावशाली ढंग से सम्प्रेषण करने के लिए बच्चों को किस प्रकार प्रोत्साहित किया जा सकता है?

एन.ई.एस.–103 : बच्चों के अधिगम का मार्गदर्शन करना

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों में अनवधानता (इनअटेंटिवनेस) के कौन से कारण हैं? बच्चों में अवधानता को बढ़ावा देने के लिए क्रियायें सुझाइये।

2. अधिगम–निर्योग्यता क्या है? बच्चों में अधिगम– निर्योग्यताओं का आकलन करने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

3. बच्चों में पठन–कौशलों का विकास किस प्रकार किया जा सकता है? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए।

एन.ई.एस.–104 : बच्चों के सामाजिक–संवेगात्मक विकास का मार्गदर्शन करना

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों के विकास को अवरूद्ध करने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक कारकों की परिचर्चा कीजिए।

2. बच्चों में पाई जाने वाली सामान्य भाषा–विकृतियों का वर्णन कीजिए। इन समस्याओं से निपटने के लिए निदानात्मक उपाय सुझाइये।

3. संवेगात्मक रूप से विक्षुब्ध बच्चों की सहायता करने के लिए संगीत, नृत्य और कला का प्रयोग रोगोपचार के रूप में किस प्रकार किया जा सकता है?